

---

shukrastotraM

शुक्रस्तोत्रम्

Document Information

---

Text title : shukrastotram

File name : shukrastotram.itx

Category : navagraha, stotra

Location : doc\_z\_misc\_navagraha

Transliterated by : KSR Ramachandran ramachandran\_ksr at yahoo.ca

Proofread by : KSR Ramachandran ramachandran\_ksr at yahoo.ca

Description-comments : From Grantha/Tamil book Adityadi Navagraha Stotra

Latest update : June 28, 2012

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 22, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

## शुक्रस्तोत्रम्



अथ शुक्रस्तोत्रप्रारम्भः ।

शृण्वन्तु मुनयः सर्वे शुक्रस्तोत्रमिदं शुभम् ।

रहस्यं सर्वभूतानां शुक्रप्रीतिकरं शुभम् ॥ १ ॥

येषां सङ्कीर्तनान्नित्यं सर्वान् कामानवाप्नुयात् ।

तानि शुक्रस्य नामानि कथयामि शुभानि च ॥ २ ॥

शुक्रः शुभग्रहः श्रीमान् वर्षकृद्धर्षविघ्नकृत् ।

तेजोनिधिर्ज्ञानदाता योगी योगविदां वरः ॥ ३ ॥

दैत्यसङ्गीवनो धीरो दैत्यनेतोशना कविः ।

नीतिकर्ता ग्रहाधीशो विश्वात्मा लोकपूजितः ॥ ४ ॥

शुक्लमाल्याम्बरधरः श्रीचन्दनसमप्रभः ।

अक्षमालाधरः काव्यः तपोमूर्तिर्धनप्रदः ॥ ५ ॥

चतुर्विंशतिनामानि अष्टोत्तरशतं यथा ।

देवस्याग्रे विशेषेण पूजां कृत्वा विधानतः ॥ ६ ॥

य इदं पठति स्तोत्रं भार्गवस्य महात्मनः ।

विषमस्थोऽपि भगवान् तुष्टः स्यान्नात्र संशयः ॥ ७ ॥

स्तोत्रं भृगोरिदमनन्तगुणप्रदं यो

भक्त्या पठेच्च मनुजो नियतः शुचिः सन् ।

प्राप्नोति नित्यमतुलां श्रियमीप्सितार्थान्

राज्यं समस्तधनधान्ययुतां समृद्धिम् ॥ ८ ॥

इति शुक्रस्तोत्रं समाप्तम् ।



*shukrastotraM*

pdf was typeset on December 22, 2023



Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

